Title: Demanded assurance from the Government not to interfere in the religion matters of the Sikhs.

श्री जे.एस.बराड़ (फरीदकोट) : सभापति महोदय, मुल्क के महान संविधान ने देश के अक्लियतों को विशेा अधिकार दिए हैं लेकिन इससे बड़ी दुखद बात और कोई नहीं हो सकती कि भारतीय जनता पार्टी, आरएसएस, वीएचपी, शिव सेना और बजरंग दल के तमाम लोगों ने इसकी धज्जियां उड़ा कर अक्लियतों के अधिकारों का हनन किया। वह अपनी एक ऊंगली पर खून लगा कर अपने को शहीद मानते हैं।

मैं आपके नोटिस में एक बहुत महत्वपूर्ण बात लाना चाहता हूं जिस का संबंध तमाम अक्लियतों से है। पहले देश में स्टेन्स फैमिली की हत्या हुई, गिरिजा घरों में आग लगा दी। उसमें कौन लोग शामिल थे, वह किस पार्टी के लोग थे, यह सारी दुनिया जानती है।

कुछ रोज पहले भाजपा के सीनियर लीडर श्री विजय कुमार मल्होत्रा और खुराना साहब ने यहां एक मुद्दा उठाया कि गुरु तेगबहादुर साहब कलगीधर जिन का नाम तिलक जंजू राखा प्रभु ताका कीनो बढ़ो कलू में साका, जिन की शहादत बहुत बड़ी है, उनके बारे में जो टिप्पणी की गई मैं उसके बारे में कहना चाहता हूं कि सबसे पहले दिल्ली की विधान सभा में 28 सितम्बर 2001 को कांग्रेस पार्टी के एमएलए श्री रविन्द्र सिंह लवली ने यह मुद्दा उठाया। वह मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि

> "This House also recommends that at Page 328 of 11th Class NCERT curriculum Book `*Madhyakalin Bharat'* under the heading `Sikh, appropriate amendment may be made and objectionable portions about Shri Guru Teg Bahadur Ji be removed."

सभापति महोदय : आपने शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के इलैक्शन के बारे में नोटिस दिया है। आप दो विाय एक साथ नहीं उठा सकते हैं। जिस सबजैक्ट का नोटिस दिया है, उसी पर बोलिए।

श्री जे.एस.बराड़ : मैं उसी बात पर आ रहा हूं। यह सबजैक्ट एक्सप्लॉयट इन बैड लाइट में प्रोजैक्ट किया जा रहा है। सारा सदन इस बात से सहमत है। आज से तीन रोज पहले शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, जो सिखों की प्रतिनिधि जमात है जिस में सहजधारी भी वोटर हैं, उसके अमृतसर में चुनाव हुए,

और बी.जे.पी. तथा शिरोमणि अकाली दल के लोगों ने सीधे दखलंदाजी करके जिस प्रकार से आल इंडिया गुरुद्वारा एक्ट की धज्जियां उड़ाई, उस समय वहां शिव सेना, बजरंग दल, आर.एस.एस., बी.जे.पी. के लोग उपस्थित थे। इस प्रकार .यह बी.जे.पी. सरकार की सिक्खों के धार्मिक मामलात में दखलंदाजी है।

सभापति जी, जो 25-25 साल तक प्रधान रहे, उन लोगों की पगड़ियां अकाली दल के लोगों द्वारा उतार दी गईं। पुलिस ने गोल्डन टैम्पल, अमृतसर के अंदर बी.जे.पी. तथा अकाली दल के कहने से चुनाव में दखलंदाजी की। मैं सरकार से आश्वासन चाहता हूं कि सरकार सिक्खों के धार्मिक मामलात में दखलंदाजी न करे। केन्द्र और पंजाब की सरकारें सिक्खों के धार्मिक मामलों का एक्सप्लायटेशन कर रही हैं। ये चुनावी मुद्दा बनाना चाहती हैं। इन लोगों की बगल में छुरी, मुंह में राम-राम की पालिसी है। ..â€¦ (*Interruptions*)

सभापति महोदय : मैंने श्री लक्ष्मण सेठ को बुलाया है, आपकी बात रिकार्ड में नहीं जायेगी।*(Interruptions)* *

** Not Recorded*